विदेशों में जायेगी कुश-काश की वस्तुएं

कुश-काश की बनी वस्तुएं तथा इनसेट में चप्पल। जागरण

निज प्रतिनिधि भदोही

सुनने में यह कितना सुखद लग रहा है कि गांव- घरों तक सिमटी कुश-काश की वस्तुएं अब विदेशी होटलों व बंगलों के ड्राइंग रूम की शोभा बनेगी और उन पर भारतीयता की छाप होगी इस मौका को सुलभ कराया है दिल्ली हाट समिति की चेयरमैन श्रीमती जया जेटली ने। उन्हीं के प्रयास ने जनपद में महिलाओं को संग्रहित कर उनमें छुपी ग्रामीण कला प्रतिभा को न केवल निखारा गया बल्कि घास-फूस से तैयार वस्तुओं को ऐसी आधुनिक आकृति दी गयी जो किसी के लिए भी चित्ताकर्षक है। वैसे कुरूई, भौकी, मोनी, डलिया आदि तो पारंपरिक रूप से महिलाओं द्वारा तैयार होती रही हैं किंतु हाट समिति के प्रयास ने इसमें आधुनिकता ला दी है तथा पारंपरिक उत्पाद की जगह अब आधुनिक पात्र,गुलदस्ते आदि के अलावा चप्पलें भी तैयार होने लगी हैं। जनपद की कुल 40 महिलाएं इसमें लगी हैं जिन्हें न केवल घर बैठे रोजगार मिल गया है बल्कि अपनी सोयी कला को उभारने तथा आर्थिक आत्मनिर्भर होने का मौका भी मिल गया है। उक्त घरेलू कला की पारखी जया जेटली ने आगे बढ़ाने का मौका तो दिया ही साथ में जनपद के भदोही निवासी हसनैन अंसारी और रामजीत बिन्द ने भी जमकर सहारा। श्रीमती जेटली के अनुसार महिलाओं द्वारा तैयार काश-कुश की वस्तुओं को विदेशों में निर्यात किया जायेगा। बहरहाल भारत के गांवों की दबी गवईं कला को विदेश में पहुंचने की संभावना बढ़ गयी है जो भारतीय ग्रामीणों के लिए फख्र की बात है।

शासन को गिनायी गयी जिले की समस्याएं

गोपीगंज (भदोही): समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं का एक प्रतिनिधि मंडल पूर्व जिला महासचिव फिरोज खान के नेतृत्व में लखनऊ जाकर लोक निर्माणमंत्री शिवपाल यादव, नगर विकास मंत्री आजम खां, परिवार कल्याण मंत्री अहमद हसन सहित सिंचाई मंत्री मेराज अहमद आदि से मिलकर उन्हें जनपद की प्रमुख जनसमस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधि मंडल ने मंत्रियों को बिजली, पानी, सिंचाई, सड़क आदि समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा कि जिले के किसानों को बिजली, पानी, सिंचाई आदि की सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही है। इसी तरह प्रतिनिधि मंडल ने नगर पालिका गोपीगंज व भदोही के विकास हेतु ढाई करोड़ रुपये का बजट दिये जाने की भी मांग करने का दावा किया है।तिनिधि मंडल में रईस अहमद, बड़े बाबू मुस्तकीम खान, अल्लादीन सरवर, अजय कुमार उमर आदि शामिल रहे।